हम राजा योशिय्याह के समान, परमेश्वर के वचनों के अधिकार का सम्मान करते हैं

बच्चों के शिक्षकगणों को इस अध्ययनमाला से **A3b** पढ़ना चाहिये

प्रार्थना : हे पवित्रात्मा, हमारे हृदय प्रकाशमान कीजिए, ताकि हम आपके वचनों से शिक्षा ग्रहण कर उनका पालन कर पाएं। हमारी सहायता कीजिये कि हम उनका अर्थ भी समझा सकें और अपना आनन्द बांट सकें।

1. **परमेश्वर के वचन से सीखने के लिये अपने हृदयों को तैयार करें :**

   बाइबल से 2 इतिहास अध्याय 34 पढ़ें तथा निम्न प्रश्नों का उत्तर खोजें

- परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने के लिये राजा योशिय्याह ने किस प्रकार मानवीय धार्मिक परम्पराओं को तोड़ा? (उत्तर : पद 3-7 देखें, उसने लोगों द्वारा निर्मित मूर्तियों का तिरस्कार किया, हमें भी, लोगों की परम्पराओं के अनुसार नहीं, परन्तु परमेश्वर की इच्छानुसार अपने झुण्ड की देखभाल करना चाहिये)
- परमेश्वर का वचन खोजने में लोगों को कैसा घोर परिश्रम करना पड़ा?
  (उत्तर : देखें पद 8-15, परमेश्वर का वचन उपेक्षित मंदिर में खो चुका था)
- आज भी परमेश्वर का वचन उन लोगों की दृष्टि से छिपा हुआ है जिनकी भाषा में अभी तक किसी ने सही प्रकार से उसका अनुवाद प्रस्तुत नहीं किया है। पर अनुवाद कार्य चल रहा है, अनेकों अनुवादक सटीक अनुवाद करने में कठिन परिश्रम कर रहे हैं।

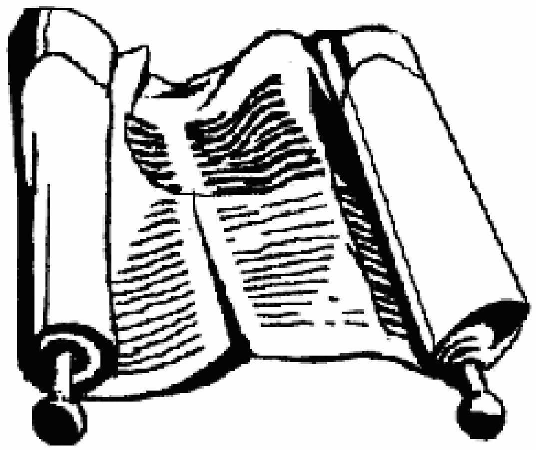

प्राचीन काल में पुस्तकें हाथ से सक्रोल पर लिखी जाती थीं जिसे लपेटा जा सकता था

- पवित्र पुस्तक पढ़ने के पश्चात् कैसे योशिय्याह परमेश्वर की सहायता मांगने लगा
  (उत्तर: देखें पद 21-28, हम विश्वासियों में पवित्रात्मा निवास करता है, और हमें सत्य की ओर ले जाता है (यूहन्ना 16:13)। हम उससे निवेदन करते हैं कि जब हम परमेश्वर के वचन पढ़ें तो हम पर सत्य प्रकट किया जाए (इफिसियों 1:15-18।)
- योशिय्याह के लिये परमेश्वर के वचन का अधिकार क्या था, उसने क्या किया?
  (उत्तर : देखें पद 30:33, परमेश्वर के वचन का पालन करने तथा उस पर विश्वास करने से हम परमेश्वर का प्रकाशन पाते हैं)।

मत्ती 4:1-11 में खोजकर पता लगाएं कि प्रभु यीशु मसीह ने किस प्रकार शैतान का सामना किया।

- कौन सी तीन बातों के द्वारा शैतान ने प्रभु यीशु की परीक्षा की?

- शैतान को उत्तर देने के लिये हर बार यीशु ने कौन-कौन सा उदहरण दिया?
- परीक्षा होने के पश्चात् किसने आकर प्रभु यीशु की सेवा की?

पृष्ठभूमि

- पवित्रात्मा ने भक्तजनों को पवित्रशास्त्र की रचना करने के लिये उभारा (1 तीमुथियुस 3:16-17)। उन्होंने इब्रानी भाषा में पुराने नियम की, तथा यूनानी भाषा में नये नियम की रचना की।
- इब्रानी भाषा को दाहिने हाथ से बांए हाथ की ओर पढ़ा जाता है।

בְּרֵאשִׁית בָּרָא אֱלֹהִים אֵת הַשָּׁמַיִם וְאֵת הָאָרֶץ׃

- यूनानी भाषा को बांएं हाथ से दाहिने हाथ की ओर पढ़ा जाता है।

Ἐν ἀρχῇ ἦν ὁ λόγος, καὶ ὁ λόγος ἦν πρὸς τὸν θεόν, καὶ θεὸς ἦν ὁ λόγος.

- हम इस प्रकार बाइबल के अंशों को अच्छी तरह समझ सकते हैं :

    हमें जानना चाहिये कि किसने वह अंश लिखा किसको लिखा तथा क्यों लिखा

    घटना कहां और कब घटी

    पाठ्यांश में कौन बात कर रहा है

    हमें पाठ्यांश में क्या करने के लिये प्रेरणा दी जा रही है

यदि हमें इस्राएल जाति के प्राचीन इतिहास, रीति-रिवाज, व भौगोलिक स्थिति की जानकारी है,तब भी हम बाइबल के कुछ अंश सरलता से समझ सकते हैं। ऐसी अधिक जानकारी के लिये पॉल-तिमोथी अध्यनमाला के अतिरिक्त पठन-सामग्री का अध्ययन कीजिये तथा विषय-सूची देखिए।

2. सप्ताह के मध्य कुछ गतिविधियों की योजना बनाएं :

- अपने सहयोगियों के साथ मिलकर, सप्ताह के मध्य परिवारों में बाइबल-अध्ययन आरम्भ की योजना बनाएं, उन्हें प्रेरित करें कि वे परीश्रम के साथ अध्ययन करें।
- विचार करें कि आप किस प्रकार अपने क्षेत्र में साक्षरता तथा अनुवाद कार्य में सहयोग दे सकते हैं?

3. अपने सहयोगियों के सहयोग से आराधना सभा की योजना बनाएं :

- ऐसे कार्यो को चुनें जो समयानुकूल तथा स्थानीय रीति-रिवाज़ों के अनुकूल हों।
- आराधना के मध्य प्रार्थना करें कि आपके झुण्ड को परमेश्वर के वचन व पवित्रात्मा से, मार्गदर्शन मिले।
- परमेश्वर के वचन में सत्य के प्रकाशन के लिये स्तुति करें, गवाही देने के लिये लोगों से कहें कि किस प्रकार परमेश्वर के वचन से पवित्रात्मा ने उन्हें आनन्द व पवित्रता प्रदान की

    राजा योशिय्याह की कहानी बताएं या उस पर आधारित नाटक प्रस्तुत करें।

- 2 इतिहास अध्याय 34 को बताने के लिये एक व्यक्ति को तैयार करें।
- पहले लोगों से कहें कि वे सुनें, और ध्यान दें कि परमेश्वर के वचन ने किस प्रकार इस्राएली लोगों के जीवनों को परिवर्तित किया। उनसे प्रश्न पूछें कि उन्होंने क्या बातें पाई। जो प्रश्न भाग प्रथम में दिए गये हैं, वे भी उनसे पूछें।

    पवित्रात्मा किस प्रकार हमारे मनों को वचनों द्वारा प्रकाशमान करता है, **नाटक** द्वारा इसे प्रस्तुत कीजिये।

सीखने वाला : मेज़ पर एक मोमबत्ती जलाकर रखे, फिर दूसरी ओर देखने लगे।

'शैतान'':

- घृणा से मोमबत्ती की ओर देखता है, तब उसे बुझा देता है और ज़ोर से हंसता है।
- तब उस सीखने वाले की आंख पर पट्टी बांध देता है, और हाथ पकड़कर अपने पीछे चलने के लिए उससे कहता है।
- तब लोगों की ओर संकेत करते हुए अपनी कविता पढ़ता या मुखाग्र सुनाता है।

''हे मूर्खो मेरे शत्रु की बात मानो! मैं तुम्हारा नशा रोक दूंगा!

मैं तुम्हें उसके वचन से दूर करूंगा, आप देखेंगे मनुष्य की शिक्षा ले!

तुम्हारे मृत उसके साथ भोजन करेंगे, उनका कप नर्क की अग्नी से आता है?

मैं कहता हूं विरोध न करो, वरना तुम्हें नर्क की आग तड़पाएगी! ''

प्रचारकः (उंचे शब्द से बोलते हुए)

- हे शैतान, शान्त हो जा, अन्यथा गहरे खड्डे में डाल दिया जाएगा
- 2 कुरिन्थियों 4:4 पढ़ें (इस संसार का ईश्वर हमें अंधा कर देता है)
- तब मोमबत्ती उन दोनों के सामने जलाए और बाइबल पर रख दे।

शैतान': पीड़ा में रोने लगता है और भाग जाता है। आंखें ढक लेता है, चिल्लाता है, यह प्रचण्ड ज्योति हटा दो ।

प्रचारक : शैतान, तू जो इस जगत का ईश्वर है, तू ने अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है, तब वह पट्टी खोलता है।

सीखने वालाः मैं नहीं जानता था कि मेरी आंखों पर पट्टी बंधी है। (तब वह यूहन्ना 16:13-14 पढ़ता है)

सब मिलकर मत्ती 4:4 कंठस्थ करें ।

बच्चों ने जो नाटक, कविता या प्रश्न तैयार किए हों, तो प्रस्तुत करने के लिए कहिए ।

जो योजना सप्ताह के मध्य कार्य करने की बनाई हो, उसकी सूचना दीजिए ।

प्रभु-भोज विधि मनाने के लिये बाइबल से पढ़ें 2 इतिहास 30:5-6 व पद 25-27, समझाएं कि प्रभु यीशु के आने से पहले परमेश्वर की प्रजा मिश्र की गुलामी से स्वतन्त्र हो जाने की घटना को याद करने के लिये एक मेम्ना बलि किया करती थी, सब लोग वह बलिदान खाया करते थे। अब प्रभु यीशु वह मेम्ना है, जो हमारा पाप उठा ले जाता है।

इसके बाद दो या तीन के समूहों में बंट जाएं, प्रार्थना करें, योजनाएं निर्धारित करें, एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।